इकाई **- 1**

हहन्दी भाषा और उसका हिकास।

हहन्दी की ऐहिहाहसक पृष्ठभूहम: प्राचीन भारिीय आयय भाषाएं, मध्यकालीन भारिीय आयय भाषाएं- पाहल, प्राकृि शौरसेनी, अर्द्यमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी हिशेषिाएं, अपभ्रंश अिहठ और पुरानी हहन्दी का संबंध, आधुहनक भारिीय आयय भाषाएं और उनका िगीकरण। हहन्दी का भौगोहलक हिस्तार : हहन्दी की उपभाषाएं, पहिमी हहन्दी, पूिी हहन्दी, राजस्थानी, हबहारी िथा पहाडी िगय और उनकी बोहलयां - खडीबोली, व्रज और अिधी की हिशेषिाएं। हहन्दी के हिहिध रूप : हहन्दी, उ्रूय, र्क्खनी, हहन्र्ुस्तानी। हहन्दी का भाहषक स्वरूप: हहन्दी की स्वहनम व्यिस्था खंड्य और खंड्यिर, हहन्दी ध्वहनयों के िगीकरण का आधार, हहन्दी शब्द रचना-उपसगय, प्रत्यय, समास, हहन्दी की रूप रचना: हलंग, िचन और कारक व्यिस्था के सन्दभय में संज्ञा, सियनाम, हिशेषण और हिया रुप, हहन्दी - िाक्य रचना। हहन्दी भाषा प्रयोग के हिहिध रूप: बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पकय भाषा। संचार माध्यम और हहन्दी, कम्प्यूटर और हहन्दी, हहन्दी की संिैधाहनक क्खस्थहि। र्ेिनागरी हलहप: हिशेषिाएं और मानकीकरण।

इकाई **- 2**

हहन्दी साहहत्य का इहिहास हहन्दी साहहत्येहिहास र्शयन हहन्दी साहहत्य के इहिहास लेखन की पर्द्हियां हहन्दी साहहत्य का कालहिभाजन और नामकरण, आहर्काल की हिशेषिाएं एिं साहहक्खत्यक प्रिृहियां, रासो-साहहत्य, आहर्कालीन हहन्दी का जैन साहहत्य, हसर्द् और नाथ साहहत्य, अमीर खुसरो की हहन्दी कहििा, हिद्यापहि और उनकी पर्ािली िथा लौहकक साहहत्य भक्खिकाल भक्खि-आंर्ोलन के उर्य के सामाहजक-सांस्कृहिक कारण, भक्खि-आंर्ोलन का अक्खखल भारिीय स्वरुप और उसका अन्तःप्रार्ेहशक िैहशष्ट्य। भक्खि काव्य की सामाहजक-सांस्कृहिक पृष्ठभूहम, आलिार सन्त, भक्खि काव्य के प्रमुख सम्प्रर्ाय और उनका िैचाररक आधार। हनगुयण-सुगण कहि और उनका काव्य। रीहिकाल सामाहजक-सांस्कृहिक पृष्ठभूहम, रीहिकाल की प्रमुख प्रिृहियां (रीहिबर्द्, रीहिहसर्द्, रीहिमुि) रीहिकहियों का आचाययत्व। रीहिकाल के प्रमुख कहि और उनका काव्य
आधुहनक काल हहन्दी गद्य का उद्भि और हिकास। भारिेन्र्ु पूिय हहन्दी गद्य, 1857 की िाक्खन्त और सांस्कृहिक पुनजाययगरण, भारिेन्र्ु और उनका युग, पत्रकाररिा का आरम्भ और 19िीं शिाब्दी की हहन्दी पत्रकाररिा, आधुहनकिा की अिधारणा। हििेर्ी युग : महािीर प्रसार् हििेर्ी और उनका युग, हहन्दी निजागरण और सरस्विी, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कहि, स्वच्छन्दिािार् और उसके प्रमुख कहि। छायािार् : छायािार्ी काव्य की प्रमुख हिशेषिाएं, छायािार् के प्रमुख कहि, प्रगहििार् की अिधारणा, प्रगहििार्ी काव्य और उसके प्रमुख कहि, प्रयोगिार् और नई कहििा, नई कहििा के कहि, समकालीन कहििा (िषय 2000 िक) समकालीन साहहक्खत्यक पत्रकाररिा। हहन्दी साहहत्य की गद्य हिधाएं हहन्दी उपन्यास : भारिीय उपन्यास की अिधारणा। प्रेमचन्द पूिय उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग। प्रेमचन्द के परििी उपन्यासकार (िषय 2000 िक)। हहन्दी कहानी: हहन्दी कहानी का उद्भि और हिकास, 20िीं सर्ी की हहन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आंर्ोलन एिं प्रमुख कहानीकार। हहन्दी नाटक : हहन्दी नाटक और रंगमंच, हिकास के चरण, भारिेन्र्ुयुग, प्रसार् युग, प्रसार्ोिर युग, स्वािंत्र्योिर युग, साठोिर युग और नया नाटक, प्रमुख नायकृहियाँ, प्रमुख नाटककार (िषय 2000 िक), हहन्दी एकांकी, हहन्दी रंगमंच और हिकास के चरण, हहन्दी का लोक रंगमंच और नुक्कड नाटक । हहन्दी हनबंध : हहन्दी हनबन्ध का उद्भि और हिकास, हहन्दी हनबंध के प्रकार और प्रमुख हनबंधकार। हहन्दी आलोचना - हहन्दी आलोचना का उद्भि और हिकास, समकालीन हहन्दी आलोचना एिं उसके हिहिध प्रकार और प्रमुख आलोचक। हहन्दी की अन्य गद्य हिधाएँ: रेखाहचत्र, संस्मरण, यात्रा साहहत्य, आत्मकथा, जीिनी और ररपोिायज, डायरी। हहन्दी का प्रिासी साहहत्य : अिधारणा एिं प्रमुख साहहत्यकार।

Professor Academy

इकाई - 3

साहहत्यशा काव्य के लक्षण, काव्य हिु और काव्य प्रयोजन। प्रमुख संप्र्ाय और हसर्द्ान्त रस, अलंकार, रीहि, ध्वहन, िक्रोक्ति और औहचत्य। रस हनष्पहि, साधारणीकरण, शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य र्ोष और प्लेटो के काव्य हसर्द्ान्त। अरस्तू : अनुकरण हसर्द्ान्त, त्रासर्ी िििेचन, हिरेचन हसर्द्ान्त। िडडयसिचय का काव्यभाषा हसर्द्ान्त। कॉलररज : कल्पना और फैंटेसी।
टी.एस.इहलएट : हनैयक्तिकिा का हसर्द्ान्त, परम्परा की अिधारणा। आई.ए. ररचडडयस : मूल्य हसर्द्ान्त, संप्रेषण हसर्द्ान्त िथा काव्य-भाषा हसर्द्ान्त। रूसी रूपिार् और नयी समीक्षा। हमथक, फन्तासी, कल्पना, प्रिीक, हबम्ब।

इकाई - 4

िैचाररक पृष्ठभूहम भारिीय निजागरण और स्वाधीनिा आन्दोलन की िैचाररक पृष्ठभूहम हहन्दी निजागरण । खडीबोली आन्दोलन। फोटय हिहलयम कॉलेज भारिन्र्ु और हहन्दी निजागरण, महािीर प्रसार् ििेर्ी और हहन्दी निजागरण गांधीिार्ी र्शयन अम्बेडकर र्शयन लोहहया र्शयन माक्सयिार्, मनोहिश्लेषणिार्, अक्तस्तत्विार्, उिर आधुहनकिािार्, अक्तस्मिामूलक हिमशय (र्हलि, स्त्री, आहर्िासी एिं अल्पसंख्यक)

इकाई - 5

हहन्दी कहििा पृथ्वीराज रासो - रेिा िट अमीरखुसरो - खुसरो की पहेहलयाँ और मुकररयाँ हिद्यापहि की पर्ािली (संपार्क डॉ. नरेन्द्र झा) पर् संख्या 125 कबीर (सं. हजारी प्रसार् ििेर्ी) पर् संख्या - 160 - 209 जायसी ग्रंथािली - (सं. रामचन्द्र शुक्ल) नागमिी हियोग खण्ड सूरर्ास - भ्रमरगीि सार (सं. रामचन्द्र शुक्ल) - पर् संख्या 21 से 70 िुलसीर्ास - रामचररिमानस, उिर काण्ड हबहारी सिसई - (सं. जगन्नाथ र्ास रत्नाकर) – र्ोहा संख्या 1 - 50 घनानन्द कहिि - (सं. हिश्वनाथ हमश्र) कहिि संख्या 1 - 30 मीरा - (सं. हिश्वनाथ हत्रपाठी) प्रारम्भ से 20 पर् अयोध्या हसंह उपाध्याय हररऔध - हप्रयप्रिास मैहथलीशरण गुप्त - भारि भारिी, साकेि (निम सगय)
जयशंकर प्रसार् - आंसू, कामायनी (श्रर्द्ा, लज्जा, इडा) हनराला - जुही की कली, जागो हफर एक बार, सरोजस्मृहि, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, बाँधो न नाि इस ठाँि बंधु। सुहमत्रानंर्न पंि - पररििियन, प्रथम रक्ति महार्ेिी िमाय - मैं नीर भरी र्ुख की बर्ली, हफर हिकल है प्राण मेरे, यह मक्तन्दर का र्ीप इसे नीरि जलने र्ो, हिु झरो जगि के जीणय पत्र, रामधारी हसंह हर्नकर - उियशी (िृिीय अंक), रक्तिरथी नागाजुयन - काहलर्ास, बार्ल को हघरिे र्ेखा है, अकाल और उसके बार्, खुरर्रे पैर, शासन की बंर्ूक, मनुष्य हाँ। सक्तिर्ानंर् हीरानन्द िात्स्यायन अज्ञेय-कलगी बाजरे की, यह र्ीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यिीणा, हकिनी नािों में हकिनी बार भिानीप्रसार् हमश्र - गीि फरोश, सिपुडा के जंगल मुक्तिबोध - भूल गलिी, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में धूहमल - नक्सलबाडी, मोचीराम, अकाल र्शयन, रोटी और संसर् इकाई -6 हहन्दी उपन्यास पं. गौरीर्त्त - र्ेिरानी जेठानी की कहानी लाला श्रीहनिास र्ास - परीक्षा गुरु प्रेमचन्द - गोर्ान अज्ञेय - शेखर एक जीिनी (भाग - 1) हजारी प्रसार् ििेर्ी - बाणभट्ट की आत्मकथा फणीश्वर नाथ रेणु - मैला आंचल यशपाल - झूठा सच अमृि लाल नागर - मानस का हंस भीष्म साहनी - िमस श्रीलाल शुक्ल - राग र्रबारी कृष्णा सोबिी - हजन्दगी नामा मन्नू भंडारी - आपका बंटी
जगर्ीश चन्द्र - धरिी धन न अपना

इकाई - 7

Professor Academy

हहन्दी कहानी राजे बाला घोष (बंग महहला) चिरे् से मेरी बिं, ुरलाड़िली माधिरिा सप्रे - एक टोकरी भर हमट्टी सुभद्रा कुमारी चौहान - राही प्रेमचंर् - ईर्गाह, ुहनया का अनमोल रिन राजा राहधकारमण प्रसार् हसंह - कानों में कंगना चधर शमाय गुलेरी - उसने कहा था जयशंकर प्रसार् - आकाशर्ीप जैने - अपना-अपना भाग्य फणीश्वरनाथ रेणु - िीसरी कसम, लाल पान की बेगम अज्ञेय - गैंग्रीन शेखर जोशी - कोसी का घटिार भीष्म साहनी - अमृिसर आ गया है, चीफ की र्ाि्ि कृष्णा सोबिी - हसक्का बर्ल गया हररशंकर परसाई - इंस्पेक्टर मािार्ीन चांर् पर ज्ञानरंजन - हपिा कमलेश्वर - राजा हनरिंहसया हनमयल िमाय - पररंरे्

इकाई **- 8**

हहन्दी नाटक भारिेन्र्ु - अंधेर नगरी, भारि र्ुर्यशा जयशंकर प्रसार् - चगुप्त, स्कंर्गुप्त, ध्रुिस्वाहमनी धमयिीरभारिी - अंधायुग लीनारायण लाल - हसंर्ूर की होली
मोहन राकेश - आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक हर्न हबीब िनिीर - आगरा बाजार सिेश्वरर्याल सक्ेना - बकरी शंकरशेष - एक और द्रोणाचायय उपेनाथ अश्क - अंजो र्ीर्ी मन्नू भंडारी - महाभोज

इकाई **-9**

हहन्दी हनबंध भारिेन्र्ु - हर्ल्ली र्रबार र्पयण, भारिरिषोन्नहि कैसे हो सकिी है प्रिाप नारायण हमश्र - हशिमूहिय बाल कृष्ण भट्ट - हशिशंभु के हचट्ठे रामच शुक्ल - कहििा क्या है हजारी प्रसार् हिेर्ी - नाखून क्यों बढ़िे हैं हिद्याहनिास हमश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है अध्यापक पूणय हसंह - मजर्ूरी और प्रेम कुबेरनाथ राय - उिराफाल्गुनी के आस-पास हििेकी राय - उठ जाग मुसाहफर नामिर हसंह - संस्कृहि और सौंर्यय

इकाई **-10**

आत्मकथा, जीिनी िथा अन्य गद्य हिधाएं रामिृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूरिें महार्ेिी िमाय - ठकुरी बाबा िुलसीराम - मुर्यहहया हशिरानी र्ेिी - प्रेमचन्द घर में मन्नू भंडारी - एक कहानी यह भी हिष्णु प्रभाकर - आिारा मसीहा
हररिंशराय बिन - क्या भूलूँ क्या यार् करूँ रमहणका गुप्ता - आपहर्ी हररशंकर परसाई - भोलाराम का जीि कृष्ण चन्दर - जामुन का पेड हर्नकर - संस्कृहि के चार अध्याय मुक्तिबोध - एक लेखक की डायरी राहुल सांकृत्यायन - मेरी हिब्बि यात्रा अज्ञेय - अरे यायािर रहेगा यार्

Professor Academy